ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ
ಬೆಂಗಳೂರು

Use E-Papers, Save Tress
Above Line Hide When Print Out

RESOURCE PERSONS

Basavaraja Bhooti,

Hindi Teacher
KRCRS(481) Shahapur
Dist- Yadagiri.
Mo. No – 9900804567

Dr. Devaraj,

Hindi Teacher
MDRS(02) Chamrajpet,
Bangalore. – 18
Mo. No – 9449214660

Ananada H,

Hindi Teacher
MDRS(611) Hampasagar
Hagari Bommanahalli,
Dist- Vijayanagar
Mo. No – 9481304722

Shiragur,

Hindi Teacher
MDRS(231) Kallolli,
Mudulagi Dist- Belagavi
Mo. No – 9449670696

Javid Karishabu,

Hindi Teacher
MDRS(224) Yadavad
Dist Belaganvi
Mo. No – 9482169513

Mubeen Taj R ,

Hindi Teacher
KRCRS Manichendur
Dis. Tumkur
Mo. No – 9535033406

Ravindrakumar,

Hindi Teacher
KRCRS (704) Nitturu,
Dist - Bidar
Mo. No – 9845306630

Ramesh Alur,

Hindi Teacher
MDRS(288) Hebballi,
Dist- Haveri
Mo. 9591391316

Rahammunnisha,

Hindi Teacher
KRCRS Yerrenalli,
Molakalumuru,
Dist – Chitradurga
Mo. No – 9731197033

Nagaraj M V,

Hindi Teacher
MDRS somyajpalli
Shrinivasapur Dist- Kolar
9845434621

Use E-Papers, Save Tress
Above Line Hide When Print Out

विषय वस्तु पर आधारित अंक भार

विषय वस्तु	गद्य , पद्य, पूरक वाचन, व्याकरण,	अंक
गद्य	• कश्मीरी सेब	32
	• गिल्लू	
	• मेरा बचपन	
	• बसंत की सच्चाई	
	• इन्टरनेट क्रान्ति	
	• ईमानदारों के सम्मेलन में	
	• महिला की साहस गाथा	
	• कर्नाटक सम्पदा	
पद्य	• मातृभूमि	20
	• अभिनव मनुष्य	
	• तुलसी के दोहे	
	• समय की पहचान	
	• सूर –श्याम	
	• कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती	
पूरक वाचन	• शनि: सबसे सुंदर ग्रह	04
	• सत्य की महिमा	
व्याकरण	• लिंग, वचन, विलोम शब्द, प्रेरणार्थक क्रिया, संधि , समास, कारक, मुहावरे, विराम चिह्न पर्यायवाची शब्द, कि और की का प्रयोग	08
रचना	• अपठित गदयांश, अनुवाद, पत्र लेखन, निबंध लेखन	16
कुल अंक		80

THIRD LANGUAGE HINDI QUESTION PAPER तृतीय भाषा हिंदी प्रश्न पत्रिका

WEIGHTAGE ACCORDING TO TYPES OF QUESTIONS प्रश्नों के प्रकार पर आधारित अंकभार

क्रम संख्या	प्रश्न के प्रकार	प्रति प्रश्न अंक	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
I	बहुविकल्प	1	8	08
II	अनुरूपता	1	4	04
III	एक वाक्य	1	4	04
IV	दो-तीन वाक्य	2	8	16
V	तीन-चार वाक्य	3	9	27
VI	पाँच-छः वाक्य	4	2	08
VII	गद्यांश	1	1	04
VIII	निबंध	4	1	04
IX	पत्रलेखन	5	1	05
			38	80

PASSING PACKAGE		
क्रम संख्या	विषय	अंक
1.	• कविता कंठस्थ (कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती)	04
2.	• पत्र लेखन	05
3.	• अनुवाद	03
4.	• भावार्थ (दोहे)	03
5.	• अपठित गद्य	04
6.	• व्याकरण	08
7.	• अनुरूपता	04
8.	• एक अंकवाले प्रश्न	04
कुल अंक		35

गद्य	पद्य
• कश्मीरी सेब	• मातृभूमि
• गिल्लू	• अभिनव मनुष्य
• मेरा बचपन	• तुलसी के दोहे
• बसंत की सच्चाई	• समय की पहचान
• इन्टरनेट क्रान्ति	• सूर –श्याम
• ईमानदारों के सम्मेलन में	• कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती
• महिला की साहस गाथा	
• कर्नाटक सम्पदा	

कश्मीरी सेब

1. लेखक चीजें खरिदने कहां गये थे?

उत्तर:-लेखक चीजें खरीदने बाजर(चौक) गये थे।

2. लेखक को क्या नजर आया?

उत्तर:- लेखक को गुलाबी रंगदार सेब नजर आया।

3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा?

उत्तर:-लेखक का जी गुलाबी रंगदार सेब देखकर ललचा उठा।

4. टोमाटो किसका अवश्यक अंग बन गया है?

उत्तर:-टोमाटो भोजन(खाने) का अवश्यक अंग बन गया है।

5. स्वाद में सेब किससे बडकर नहीं है?

उत्तर:-स्वाद में सेब आम से बड कर नहीं है।

6. प्रेमचंद जी ने खरीदारी के बारे में क्या चेतावनी दी है ?

'कश्मीरी सेब' पाठ में लेखक अपने अनुभव बताते हुए पाठकों को यह चेतावनी देते हैं कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है। साथ ही बाजार में लोगों के साथ होनेवाली धोखेबाजी पर प्रकाश डाला है।

7. .'कश्मीरी सेब' कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

'कश्मीरी सेब' कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि- अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।

8. सेब की हालत के बारे में (लिखिए) आप क्या जानते है ?

लेखक प्रेमचंद नाश्ता करने के लिए एक सेब निकाला, तो वह एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था। दूसरा सेब आधा सडा हुआ था। तिसरा एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था । चौथा सेब काटा तो भीतर बेरों में जैसा काला सुराख था। एक सेब भी खाने लायक नहीं था।

➢ प्रेरणार्थक क्रिया क्रिया शब्द

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीया प्रेरणार्थक
लगना	लगाना	लगवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
पीना	पिलाना	पिलवाना
सोना	सुलाना	सु लवाना
दोना	धुलाना	धुलवाना
पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
देखना	दिखाना	दिखवाना
उड़ना	उड़ाना	उड़वाना
चलना	चलाना	चलवाना
जितना	जिताना	जितवाना
भेजना	भिजाना	भिजवाना
बाँटना	बँटाना	बंटवाना
मिलना	मिलाना	मिलवाना

1. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक शब्द है ?

A. ठहरो C. चढना

B. सीखाना **B. सिखाना.**

2. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थ शब्द है ?

A. पढवाना C. पढाई

B. **पढाना** D. पढ़

3. "चलना" शब्द का प्रथम प्रेरणाथक रूप है। j

A. चल C. चलावट

B. चलो **D. चलाना**

गिल्लू

1. लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?

लेखिका ने कौए को इसलिए विचित्र पक्षी कहा है कि यह पक्षी एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित तथा अति अवमानित है।

2. गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?

गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

3. गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?

गिलहरी का लघु गात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

4. गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?

गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

5. गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

6. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती ।

7. महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ-कहाँ छिप जाता था ?

महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में, कभी परदे के चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

8. लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी ?

उत्तर : लेखिका को गिलहरी इस स्थिति में दिखायी पड़ी कि गमले और दीवार की संधि में एक छोटा सा गिलहरी का बच्चा निश्चेष्ट-सा गमले से चिपका पड़ा था। सम्भवत: वह घोंसले से गिर पड़ा था, जिसे दो कोए अपना आहार बनाना चाह रहे थे।

9. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?

4. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थ शब्द है ? पढाई,

A. पढाना, B. पढ़

B. C. पढना, D. पढवाना,

5. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक शब्द है ? लेखन,

A. लिखावट B. लिखवाना

C. लिखाना, D. लिखाई

▪ *विराम चिन्ह*

1) अल्प विराम – ,

2) अर्ध विराम – ;

3) पूर्णा विराम - ।

4) प्रश्न वाचक - ? क्या, कैसे, कहाँ, कब, क्यों,

5) भावसूचक – !

6) योचक चिन्ह - -

7) उद्धरण – " "

प्रश्न मादरी :

1.मोटर उसके ऊपर से निकल गई !

A. पूर्ण विराम, C. योजक चिह्न,

B. प्रश्न चिह्न, D. विस्मयादिबोधक

2. क्या तुम थक गई हो

A. पूर्ण विराम, C.योजक चिह्न,

B. प्रश्न चिह्न, D. अल्प विराम

लेखिका ने गिलहरी को हौले से उठाकर कमरे में लाया, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के बाद उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

10. गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताए? स्पष्ट कीजिए

- गिल्लू लेखिका की गैरहाजरी में उदासर हता था।
- अपना प्रिय खाद्य काजू कम खाता था।
- लेखिका के घर आने तक गिल्लू अकेलापन महसूस कर रहा था।
- लेखिका के कमरे का दरवाजा खुलते ही वह अपने झूले से उतरकर दौड़ता फिर किसी दूसरे को देखकर उदास हो वापस अपने घोंसले में जा बैठता।

11. लेखिका के प्रति गिल्लू अपनी भावना कैसे प्रकट करता था ?

- लेखिका जब अस्पताल में थीं, तब गिल्लू उदास रहता। अपना प्रिय खाद्य काजू बहुत कम खाता।
- उनके कमरे का दरवाजा खुलते ही अपने झूले से उस ओर दौड़ता, किंतु वहाँ किसी और को देखकर निराश होकर लौट जाता।
- लेखिका की अस्वस्थता में उनके तकिए के सिरहाने बैठकर अपने नन्हें पंजों से उनके सिर और बाल सहलाता था। इस प्रकार गिल्लू अपनो भावना प्रकट करता था।

(* किन्हीं दो अंशों का चयन करें।)

12. गिल्लू के काय-कलाप के बारे में लिखिए।

- गिल्लू लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए उनक पैरों तक आता और सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता था।
- लेखिका को चौंकाने के लिए फूलदान के फूलों में, परदे की चुन्नट म और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

3. किताब कहाँ है पूर्ण विराम,

C.**प्रश्न चिह्न,**

A. योजक चिह्न, D.विस्मयादि बोधक

4. पं रजकिशोर कहाँ रहते हैं ?

A. पूर्ण विराम C. योजक चिह्न

B. **प्रश्न चिह्न** **D.**अल्प विराम

5. इसके बाद क्या करना पडेगा Apri 19

A. पूर्ण विराम C.अल्प विराम

B. योजक चिन्हD. **प्रश्नवाचक चिन्ह**

6. कहाँ चोट लगी है ?

A. पूर्ण विराम C. योजक चिह्न

B. **प्रश्न चिह्न** D. अल्प विराम

7. हाथी भाई, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं। उपर्युक्त वाक्य प्रयुक्त विराम चिह्न है।

A. पूर्ण विराम C. योजक चिन्ह

B. अल्प विराम D. प्रश्नवाचक

➢ *लिंग*

- नाइन - **नाई**
- ठाकुर - **ठकुराइन**
- सेठ - **सेठानी**
- माल- **मालकिन**
- शेर - **शेरनी**
- नौकर-**नौकरानी**
- हाथी – **हाथिनी**
- मयूर-**मयूरी**
- मोर - **मोरनी**

मेरा बचपन

1. **अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे?**

   उत्तर: अब्दुल कलामजी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

2. **अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?**

   उत्तर: अब्दुल कलामजी के बचपन में पुस्तकें दुर्लभ वस्तु थी।

3. **जैनुलाबदीन ने कौनसा काम शुरु किया?**

   उत्तर: जैनुलाबदीन ने लकडी की नौकाएँ बनाने का काम शुरु किया।

4. **कलाम जी का बचपन बडी निश्चिंतता और सादगी में कैसे बिता ?**

   कलाम जी का बचपन बडी निश्चिंतता और सादगी में बिता । उनके पिता अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहने वाले आडंबरहीन व्यक्ति थे। परंतु घर पर सभी आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सरलता से उपलब्ध थीं। इसलिए उनका बचपन बडी निश्चिंतता और सादगी में बिता।

5. **जैनुलाबदीन नमाज की प्रासंगिकता के बारे में क्या कहते हैं ?**

   जैनुलाबदीन नमाज की प्रासंगिकता के बारे में कहते हैं- जब तुम नमाज पढते तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत, आयु, जाति धर्म-पंत का कोई भेदभाव नहीं होता।'

6. **कलाम जी को जलालुद्दीन ने नई दुनिया का बोध कैसे कराया ?**

   जलालुद्दीन हमेशा कलाम को शिक्षित लोगों के बारे में बताते थे। वे वैज्ञानिक खोजों, समकालिन साहित्य, चिकित्सा विज्ञान की उपलब्दियों के बारे में बताते थे। ज्ञान संबंध इन जानकारियों से कलाम को सीमित दायरे से बाहर निकाल कर नई दुनिया का बोध कराया।

7. **जलालुद्दीन, कलाम को किन-किन विषय के बारे में बताते थे ?**

   जलालुद्दीन हमेशा कलाम को शिक्षित लोगों के बारे में बताते थे। वे वैज्ञानिक खोजों, समकालिन साहित्य, चिकित्सा विज्ञान की उपलब्दियों के बारे में बताते थे

8. **आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थीं ?**

   आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में केले का पत्ता बिछाकार उस पर चावल एवं सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार डालती; साथ में घर में बना अचार और नारियल की ताजी चटनीन भी होती ।

- स्वामी - **स्वामिनी**
- छात्र - **छात्रा**
- आचार्य - **आचार्या**
- सुनार - **सुनारिन**
- शिष्य - **शिष्या**
- गिलहरी - **मादा गिलहरी**
- भैंस – **भैंसा**
- दाता – **दात्री**
- आदमी - **औरत**
- कुत्ता – **कुतिया**
- भाई - **बहन**
- श्रीमान – **श्रीमती**
- नाता - **नाती**
- पोता - **पोती**
- बालक - **बालिका**
- सेवक - **सेविका**
- लेखक - **लेखिका**
- अध्यापक - **अध्यापिका**
- गायक - **गायिका**
- नर - **मादा**
- महान - **महती**
- पुरुष – **महिला**
- एकाकी - **एकाकिनी**
- भाग्यवान - **भाग्यवती**

बसंत की सच्चाई

1.बसंत क्या-क्या बेचता था?

उत्तर : बसंत छलनी, बटन तथा दियासलाई बेचता था।

2. छलनी दाम क्या था?

उत्तर : छलनी का दाम दो आना था।

3. बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे?

उत्तर : बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।

4. एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?

उत्तर : एकांकी का प्रथम दृश्य बड़े नगर के बाज़ार में घटता है।

5. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है?

उत्तर : पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी है।

6. बसंत ईमानदार लडका है। कैसे ? or बसंत के उत्तम गुणों का वर्णन कीजिए।

or बसंत के बारे में आप क्या जानते हैं। अपने शब्दों में लिखिए |

बसंत मेहनती, स्वाभिमानी, गरीब, अनाथ और ईमानदार लड़का है। बिना परिश्रम के मदद में मिले धन को वह भीख समझता था। इसलिए पं० राजकीशोर से दया की भीख लेने से इनकार किया। इसी गुण के कारण वह अपनी घायल अवस्था में भी पंडित राजकिशोर के पैसे अपने भाई के हाथ पैसे भिजवाता है। सच में, बसंत एक स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का है ।

7. पंडित राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए । or पंडित राजकिशोर के परोपकार गुणों का परिचय दीजिए ।

पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। वे कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखानेवाला व्यक्ति थे। बाजार में बसंत की दशा, परिश्रम एवं ईमानदारी देखकर प्रसन्न हुए और उसकी मदद करना चाहा। बसंत को दुर्घटना में घायल होने की बात से बहुत दुःखी हुए। तुरंत डाक्टर को बुलवाकर बसंत की इलाज करवाया। चिकित्सा का भार भी उठाया और दोनों भाई को सांत्वान कराया। इनका परोपकारी गुण सबके लिए आदर्श है। इस तरह राजकिशोर सच्चे अर्थों में मानवता की मूर्ति थे।

1. आदमी शब्द का स्त्रीलिंग रूप है ?

A. स्त्री, C. महिला,

B. नारी, D. औरत.

2. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है ?

A. भिखारी C. युवती

B. कवि D. पति

3. निम्नलिखित में से पुल्लिंग शब्द है ?

A. मोरनी C. गाय

B. हाथी D. भैंस

4. निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द है ?

A. लिखिका C. भिखारी

B. नौकर D. बालक

5. बेटा का अन्य लिंग है

A. सुत C बेटी

B. छात्रा D. पुत्र

6. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है ?

A. हाथी C. बहन

B. आदमी D. शेर

➢ वचन - बहु वचन

- लिफाफा – लिफाफे
- चीज – चीजें
- रुपया-रुपये
- आँख - आँखें
- दूकान-दूकानें
- बच्चा-बच्चे
- केला- केले
- पुस्तक-पुस्तकें
- चादर-चादरें

इंटरनेट क्रांति

1. इंटरनेट का अर्थ क्या है?

उत्तर: इंटरनेट अनगिनत कम्प्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करने का जाल है।

2.संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

उत्तर: इंटरनेट के बिना संचार और सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड जाते हैं।

3. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

उत्तर: इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है। खरीदारी कर सकते हैं। बिल भर सकते हैं।

4.प्रगतिशील राष्ट- किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं?

उत्तर: प्रगतिशील राष्ट- ई-गवर्नेन्स द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

5. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

उत्तर:समाज के चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि . तथा:देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बडा योगदान है।

6. इंटरनेट क्रांति का असर किस पर पड़ा है?

उत्तर: इंटरनेट क्रांति का असर बडे बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर पड़ा है।

7. आई.टी.ई.एस. का विस्तृत रूप क्या है?

उत्तर: आई.टी.ई.एस. का विस्तृत रूप इनफारमेशन टेक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस है।

8. ई-गवर्नेन्स का परिचय दीजिए। or पारदर्शी प्रशासन कैसे बन सकता है।?

ई-गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

8. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट कैसे मदद मिलती है ?

- कोशीश - कोशीशें
- कर्मचारी-कर्मचारियाँ
- मुर्ती- मुर्तियाँ
- व्यापारी - व्यापारियाँ
- नीती - नीतियाँ
- रेवडी - रेवडियाँ
- परदा - परदें
- उपलब्दी - उपलब्दियाँ
- कमरा - कमर
- संस्कती संस्कृतियाँ
- कपडा-कपडे
- जानकारी-जानकारियाँ
- कुत्ता-कुत्ते
- कहानी कहानियाँ
- रास्ता – रास्तें
- कंपनी - कंपनियाँ
- पैसा-पैसे
- नौकरी - नौकरियाँ
- रस्सी रस्सियाँ
- चोटी चोटियाँ
- नाती-नातियाँ
- मछली-मछलियाँ
- नौका – नौकाएँ
- गुफा – गुफाएँ
- कक्षा-कक्षाएँ
- शीशा – शीशाएँ
- घर-घर
- कंप्यूटर-कंप्यूटर
- पेड-पेड
- लोग-लोग
- दोस्त-दोस्त
- युग-युग
- कौआ - कौवे

इंटरनेट द्वारा घर बैठे बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है । इससे दूकान जाने और लाइन में घंटों खडे रहने का समय बच जाता है।

9. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। इस कथन का समर्थन कीजिए।

OR सोशल नेटवर्किंग साइटों के कारण समाज पर क्या प्रभाव पड़ा है ?

'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। फेसबुक, ट्विट्टर जैसे साइटो के कारण देश-विदेश के लोगों के रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान, संस्कृति कला आदि का करण हो रहा है।

10. "वीडियो कान्फरेन्स" के बारे में आप क्या जानते हैं?

"वीडियो कान्फरेन्स" द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।

11. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ? or इंटरनेट के कारण संचार व सूचना के क्षेत्र में एक नयी क्रांति आयी है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

इंटरनेट ने संचार व सूचना के क्षेत्र में कमाल किया है। इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। कोई संदेश, समाचार तथा हर प्रकार की जानकारियाँ कम समय में पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय की पुस्तकों को जिसे चाहे भेज सकते हैं। तंत्रज्ञान के बिना कोई काम होना असंभव है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं ।

➢ गिलहरी – गिलहरियाँ

1. नीती शब्द का अन्य वचन है ?

A. नितीयाँ C. नातियाँ

B. नीतियाँ D. नितिएँ.

2. निम्नलिखित में बहुवचन शब्द है?

A. कमर C.आँख

B. दीवार D. कपडे

3. निम्नलिखित में से बहुवचन शब्द है ?

A. चिट्ठी C. किताबें

B. कमरा D.जगह

4. निम्नलिखित में से बहुवचन शब्द है?

A. दायरा C.रीति

B. सड़क D. पुस्तकें

5. निम्नलिखित में एक वचन शब्द है ?

A. किताबें C. जानकारियाँ

B. कमरा D. पैसे

6. निम्नलिखित में बहुवचन शब्द है ?

A. पुस्तकें C. सडक

B. दायरा D.रीति

➢ *मुहावरे*

1. अँगूटा दिखाना - इनकार करना
2. टस से मस ना होना- विचलित ना होना
3. पौ फटना - प्रभात होना
4. आँखे दिखना- डराना

ईमानदारों के सम्मेलन में

1. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?

उत्तर :- लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके पहले दर्जे का किराया वसूलना चाहते थे।

2. लेखक की चप्पले किसने पहनी थीं ?

उत्तर :- लेखक की चप्पले ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थी।

3. लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये ?

उत्तर :- लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने दबाकर सोये।

4. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?

उत्तर :- सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

5. ब्रीफकेस में क्या था ? उत्तर :- ब्रीफकेस में कुछ कागज़ात थे।

6. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था ? उत्तर :- लेखक ने धूप का चश्मा टेबल पर रखा था।

7. हरिशंकर परसाई जी को सम्मेलन में क्यों बुलाया गया ? or ईमानदारों के सम्मेलन में हरिशंकर परसाई जी को क्यों आमंत्रित किया गया ?

परसाई जी देश के प्रसिद्ध ईमानदार व्यक्ति थे। उन्हे ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए बुलाया गया। उनके आगमन से उदीयमान ईमानदारों को बडी प्रेरणा मिलती है।

8. ईमानदारों के सम्मेलन पाठ में मुख्य अतिथि की बेईमानी कैसे व्यक्त हुआ है ?

लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके पहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे।स्वागत में मिली फूल माला पहनकर स्टेशन पर माली को बेचने के बारे मे सोचा। सम्मेलन में उनकी चप्पलें गायब थी, तो उन्होने दूसरों की चप्पलें पहन ली। इन बातों से उनकी बेईमानी व्यक्त होती है।

9. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया ?

ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया कि- देखिए चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारये, तो दूसरी दस फीट दूर तब चप्पल चोरी नहीं होतीं।

5. कमर कसना- तैयार होना
6. आग बबूला होना- अत्यंत क्रोधित होना
7. सिल निचे होना- अवमानित होना \
8. नाक कटना - बदनामी होना
9. आँख खुलना - होश आना
10. चार चाँद लगाना - शोभा बढाना
11. कान खडे होना - सावधान होना
12. हवा में बातें करना - भाग जाना
13. बात का धनी - वचन का पका होना
14. राहत की साँस लेना - चैन से रहना
15. पेट पर लात मारना - नौकरी छीनना
16. दो दिन का मेहमान - जल्द मरने वाला
17. अंगारे उगलना - क्रोध में कठोरवचन बोलना
18. खून पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना
19. फूला नही समाना - बहुत खुश होना
20. हाथों के तोते उडना - आश्चर्य चकित होना
21. छकके छुडाना- बुरी तरह हराना
22. दाल न गलना - सफल न होना
23. पसीना बहाना- परिश्रम करना
24. बाल-बाल बचना - खतरे से बच जाना

1. "पसीना बहाना" मुहावरे का अर्थ है?

A. निंद करना **C. परिश्रम करना**

B. इनकार करना D. बहुत मारना

2. 'खतरे से बचजाना' अर्थ देनेवाला मुहावरा है।

A. होश-हवास उडना C.हिम्मत न हारना

B. **बाल बाल बचना** D. बिडा उठाना

➢ *विलोम शब्द*

महिला की साहस गाथा

1. बिछंद्री पाल को कौन-सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

बिछंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त है।

2. बिछंद्री के माता-पिता कौन थे ? उ: बिछंद्री की माता हंसादेई नेगी और पिता किशनपाल सिंह थे।

3. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर:एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही अंगदोरजी थे।

4. बिछंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ? उ : बिछंद्री ने थैले से दुर्गा माँ का चित्र निकाला।

5. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछंद्री से क्या कहा ?

उत्तर: कर्नल ने बधाई देते हुए बिछंद्री से कहा देश को तुम पर गर्व है।

6. बिछंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन-सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर: बिछंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने स्वर्णपदक देकर सम्मान किया।

7. बिछेंद्री पाल का बचपन कैसे बिता ?

बचपन में बिछेंद्री पाल को रोज 5 कि.मि. पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। वे कठोर परिश्रम करती थीं। सिलाई का काम सीख कर पैसे जुटाए। यह उनकी पढ़ाई के खर्च में काम आया ।

8. बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने की पूर्व तैयारी कैसे की ?

पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष को भी हमेशा अपने सामने रखा। इसी दौरान उन्होने 'कालानाग' पर्वत की चढ़ाई की। सन १९८२ में उन्होने 'गंगोत्री ग्लेशियर' तथा 'रूड गेरो' की चढई की। जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढा।

9. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। अपने थैले से हनुमान चालिसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला। उसे लाल कपड़े में लपेटा और छोटी-सी पूजा करके उसको बर्फ में दबा दिया।

10. 'महिला की साहसगाथा' पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

महिलाएँ पुरुषों से कम नहीं है। विद्यार्थी कठिन परिश्रम का महत्व समझते हैं ।दृढ निश्चय, साहस, परिश्रम, धैर्य द्वारा लक्ष प्राप्त करने का तत्व समझते हैं।मुसीबतों का सामना करना आदि आदर्श गुण सीखते हैं। इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं ।

- आय x **व्यय**
- अंधकार x **प्रकाश**
- आगे x **पीछे**
- अमृत x **विष**
- आधार x **निराधार**,
- जय x **पराजय**
- परतंत्र x **स्वतंत्र**
- सफल x **विफल**
- चल x **अचल**
- आदर x **अनादर**
- दयावान x **दयाहीन**,
- धन x **निर्धन**
- जन x **निर्जन**
- बल x **निर्बल**
- गुण x **निर्गुण**
- जीत x **हार**
- आज x **कल**
- लेना x **देना**
- आना x **जाना**
- तोड x **जोड**
- बढना x **घटना**
- वरदान x **अभिशाप**
- सवाल x **जवाब**
- मुश्किल x **आसान**
- काटना x **जोडना,**
- आरोहण x **अवरोहण**

1. **पच्चीमी घाट किसे कहते हैं ?** दक्षिण से उत्तर तक फैली पर्वतमालाओं को पच्चीमी घाट कहते हैं ।

2. **कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात हैं ?** उत्तर : जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात हैं।

3. **भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए ?**

   उत्तर :- भद्रावती मे कागज, लोहे और इस्पात के कारखाने है ।

4. **विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन – सा है ?** उत्तर :- गोलगुंबज है।

5. **अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा मे है? उत्तर :** अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा मे है।

6. **कर्नाटक की दक्षिण में कौन-सी पर्वमालाएँ शोभायमान है?**

   उत्तर :- कर्नाटक की दक्षिण में नीलगिरी पर्वमालाएँ शोभायमान है?

7. **कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।**

कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। एसके पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्ही घाटों के कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतवलियाँ शोभायमान हैं।

8. **कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला का वर्णन कीजिए।**

बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु, के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है।बेलुरु, हलेबीडु, सोमनाथपुर मंदिरा की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोल में गोमटेश्वर की ५७ फूट एकशिला प्रतिमा शांति और त्याग का संदेश देती है। विजयपुर के गोलगुंबज की व्हिस्पिरिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है। मैसूर के राजमहल, सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन आर्ट गैलरी आकर्षणीय हैं।

9. **कन्नड भाषा और संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की देन के बारे में लिखिए।**

बसवण्णा, अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ आदि संत कवियों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भाक्त कवियों के सदाचार, भक्ति, नीति के गीत अमूल्य देन हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि प्राचीन कवियों ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध किया है । आधुनिक काल के आठ दिग्गज साहित्यकारों ने ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कर कन्नड भाषा, संस्कृति और कर्नाटक के गौरव बढ़ाया है।

मातृभूमि

- चढना x **उतरना**
- सुंदर x **कुरूप**
- भीतर x **बाहर**
- उत्तीर्ण x **अनुत्तीर्ण**
- उपयोग x **अनुपयोग**
- चैन x **बेचैन**
- उपस्थिति x **अनुपस्थिति,**
- होश x **बेहोश**
- सहयोग x **असहयोग**
- खबर x **बेखबर**
- ईमान x **बेईमान**
- आयात x **निर्यात**
- बलवान x **बलहीन,**
- बुद्धिमान x **बुद्धिहीन**
- शक्तिमान x **शक्तिही,**
- आगमन x **निर्गमन**

1) 'सदाचार' का विलोम शब्द है ।

A. निराचार, **C. दुराचार,**

B. विचार, D. समाचार

2) मुश्किल शब्द का विलोम शब्द है ।

A. **आसान,** C.आसमान,

B. कठिन, D. मुलायम

3) अच्छाई शब्द का विलोम शब्द है ।

A. बुराई, C.भलाई,

B. अच्छो, D. सच्चाई.

1. भारत माँ के हाथों में क्या है ?

उत्तर : भारत माँ के हाथों में न्याय पताका तथा ज्ञान-दीप हैं।

2. आज माँ के साथ कौन है ?

उत्तर : आज माँ के साथ कोटि-कोटि भारतवासी हैं।

3. भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?

उत्तर : भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

4. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है ?

उत्तर : सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ मुक्त हस्त से बाँट रही है।

5. जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?

उत्तर : जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारत माता निवेदन करते हैं।

6. 'जय-हिंद' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?

उत्तर : 'जय-हिंद' का नाद भारत के सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।

7. भारत माँ के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

कवि वर्मा जी ने मातृभूमि कविता में प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते है की -

- भारत माँ का प्रकृति-सौंदर्य नयन मनोहर है।
- मातृभूमि के हरे-भरे सुहाने खे प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं ।
- यहाँ फल-फूलों से युक्त बाग-बगीचे तथा वन हैं।
- इस धरती खनिजों की अपार सम्पदा है।

8. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : कवि भगवतीचरण वर्मा मातृभूमि के स्वरूप के बारे में कहते हैं कि –भारत माँ के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है। मातृभूमि मुक्त हस्त से सुख - संपत्ति धन धाम को बाँट रही है ।

अभिनव मनुष्य

4) 'अमीर' का शब्द का विलोम शब्द है ।

A. धनिक, C.भीखारी,

B. गरीब, D. नौकर

5) 'पास' शब्द का विलोम शब्द है ।

A. निकट, C. दूर,

B. आर-पार, D.चारों ओर,

6) 'दिन' शब्द का विलोम शब्द है ।

A. सुबह, C.प्रातः काल,

B. शाम, D.रात,

➢ संधि

दीर्घ संधि	
Hints आ, ई, ऊ	
आ = देवालय ऊ = सहानुभूति ई = कवीन्द्र	आ = संग्रालय ऊ = लगुत्तर ई = गिरीश
गुण संधि	
Hints ए , ओ , अर	
ए = गजेंद्र ओ = परोपकार आर = महर्षि	ए = रामेश ओ = महोसत्व
वृध्दी संधि	
Hints ऐ, औ	
एकैक मतैक्य परमौषद	सदैव महैश्वर्य वनौषद

1. आज की दुनिया कैसी है ? उत्तर :- आज की दिनिया विचित्र और नवीन है ।

2. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?

उत्तर :- मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है ।

3. परमाणु किसे देखकर काँपते हैं ? उत्तर :- परमाणु मनुष्य के करों को देखकर काँपते हैं ।

4. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?

उत्तर :- आधुनिक पुरुष ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय पायी है ।

5. नर किन-किन को एक समान लाँघ सकता है ?

उत्तर :- नर नदी, पहाड तथा समुद्र को एक समान लाँघ सकता है ।

6.'प्रकृति पर सर्वत्र है पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय समझाइए। or आधुनिक मानव की भौतिक साधना का विवरण कविता के आधार दीजिए |

आधुनिक मानव ने प्रकृति के हर तत्व को अपने नियंत्रण में कर लिया है। उसने जल, विद्युत, भाप, वायु पर अपना नियंत्रण बना लिया है। वह नदी, पर्वत, सागर एक समान लाँघ सकता है। उसका यान आकाश में जा रहा है। वह परमाणु प्रयोग भी कर रहा है। उसकी बौद्धिक क्षमता असीमित है। आज मानव ने प्रकृति की हर तत्व को विकृति कर दिया है ।

2. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है। or अभिनव मनुष्य के आधार पर मनुष्य का सही परिचय कैसे स्थापित किया गया है ?

कवि दिनकर जी कहते हैं- आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है ।मानव को व्योम से पाताल तक सब कुछ ज्ञात है परंतु स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा । मानव की सही पहचान वह है जो मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधता है, जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाता है, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा। जो मनुष्य बुद्धि को चैतन्य हृदय से जीतता है । आपसी भाईचारा, पारस्परिक प्रेम, सहमनुष्य के साथ स्नेह से रहना ही मानव का सही परिचय है ।

तुलसी के दोहे

यण संधि	
Hints त्य, न्व, त्र	
इत्यादि	अत्यंत
स्वागत	मन्वंतर
पित्रुपदेश	पित्राज्ञ
आयाधी संधि	
Hints य , व	
गायन	भवन
गायक	पावक
नयन	पवन
चयन	भावक

1) 'परमौषद' शब्द में संधि है ।

A. दीर्घ संधि, **C. वृद्धि संधि,**

B. यण संधि, D. गुण संधि

2) 'संग्रालय' शब्द में संधि है ।

A. **दीर्घ संधि,** C. वृद्धि संधि,

B. यण संधि, D. गुण संधि ।

3) 'महोत्सव" में संधि है ?

A. दीर्घ संधि, C. वृद्धि संधि,

B. यण संधि, **D. गुण संधि**

4) 'अत्यंत' शद्व में संधि है ।

A. दीर्घ संधि, C. वृद्धि संधि,

B. **यण संधि,** D. गुण संधि

1. **तुलसीदास मुख को क्यों मानते हैं ?** उत्तर: तुलसीदास शरीर को क्षणिक मानते हैं।

2. **मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ?** उत्तर: मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए।

3. **मुख किसका पालन-पोषण करता है ?** उत्तर: मुख शरीर के सकल अंगों का पालन-पोषण करता है।

4. **तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था ?** उत्तर: तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।

5. **तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं ?**

उत्तर: तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय और विवेक हैं।

6. **मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।**
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- जिस तरह मुँह खाने-पीने का काम अकेले करते हुए, शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है, उसी तरह मुखिया भी काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी को मिले।

7. **जड, चेतन, गुण दिषमय, विस्व कीन्ह करतार |**
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ॥

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- सृष्टिकर्ता इस दुनिया को अच्छे-बुरे एवं गुण-दोषमय मिलाकर बनाया है। लेकिन हम, हंस रूपी साधु की तरह विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

8. **दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान |**
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- दया धर्म का मूल है और पाप का मूल अभिमान है। इसलिए मनुष्य के शरीर में जब तक प्राण है, तब तक अपना अभिमान छोडकर दयालु बने रहना चाहिए।

9. **तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।**
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- मनुष्य पर जब विपत्ति पडती है, तब उसकी विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करने वाला साहसी, सत्यवान

➢ 'कि' और 'की' प्रयोग:

'कि'

समुच्चय / कारण बोधक अव्यय शब्द है।

★ दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करना।

- रोहन के पिताजी ने सुझाव दिया कि वह अपने कंप्यूटर शिक्षक से पूछताछ करे।

★ प्रश्नार्थक वाक्य में विकल्प के रूप में प्रयोग करना।

- राम आया कि कृष्ण ?
- तुम चाय पिओगे कि काफी ?

★ उपवाक्य के आरंभ में प्रयोग |

- उसने कहा कि मैं पढ़ाई करुगाँ।
- वे समझते थे कि समय ही सच्चा धन है।

'की'

★ संबंधसूचक अव्यय शब्द है।

★ स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द के पुर्व प्रयुक्त होती है।

- विनोद की माता गायत्री।
- गाँव की गलियाँ छोटी हैं।

★ 'क्रिया' के रूप में भी 'की' प्रयोग होता है।

- राम ने परीक्षा पास की।
- उसने प्रतिज्ञा की।

★ संबंध सूचक शब्द के पूर्व प्रयोग होता है।

- उसकी आँखे लाल हो गयी।
- इनकी गाड़ी है|

बनता है।

10. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार |

तुलसी भितर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥

भावार्थ: प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं जिस तरह देहरी पर दीया रखने से घर के भितर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है ।

समय की पहचान

1. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता?

उत्तर: कवि के अनुसार समय को नष्ट करने से सुख नही मिलता।

2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर: बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

3. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर: समय भगवान (ईश) का दिया हुआ अनुपम धन है।

4. कवि किस पर विश्वास करने को कहते हैं ?

उत्तर: कवि आत्मा (अपने आप) पर विश्वास करने को कहते है।

5. समय के खोने से क्या होता है ?

उत्तर: समय के खोने से हमेशा पछताना पडता है ।

6 .मानव के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?

समय बहुत अनमोल है । इसलिए समय नष्ट नहीं करना चाहिए । आलस्य और बहाना बनाना छोडकर मेहनत से काम करने से मनुश्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है।

7. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ? or 'समय की पहचान' कविता का आशय क्या है ?

समय का महत्व धन से भी ज्यादा है । द्वारा मनुष्य को प्राप्त अनुपम धन है । समय अधिक महत्वपूर्ण और उपयोगी है। संसार का कोई भी द्रव्य इसकी बराबरी नहीं कर सकता । अपना काम बिना टाले उसी समय पूरा करना चाहिए। आलस्य त्याग कर, समय को अमूल्य धन मानकर कार्य करने से जीवन सफल होता है ।

➢ समास

अव्ययीभाव समास	तत्पुरुष समास
पूर्वपद अव्यय लगाना। अनु, आ, पति, भर, यथा, हर, आदि	कार्क का लूप होना का, के, की, के लिय, की, में, पर, से, आदि
आजन्म	गगनचुंबी
बेखटके	प्रेमसागर
भरपेट	धनहीन
यथासंभव	राजपुत्र
प्रतिदिन	जलप्रपात
अनजाने	स्वर्गप्राप्त
करमधारेय समास	**द्विगु समास**
तुलना करना (विशेष, विशेषण उपमान, उपमेय)	संख्या तथा समुहवाची शब्द
चरणकमल	त्रिलोक
चंद्रमुख	पंचावटी
नीलकांत	शाताब्दी
पीताम्बर	नवरात्रि
करकमल	चौराह

सुर – श्याम

1. **सूर-श्याम पद के रचयिता कौन हैं ?** उत्तर: सूर-श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं।
2. **कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ?** उत्तर: कृष्णा की शिकायत भाई बलराम के प्रति हैं।
3. **यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?** उत्तर: यशोदा और नंद का रंग गोरा था।
4. **चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे ?** उत्तर: चुटकी दे-देकर हँसनेवाले सब ग्वाला मित्र थे ।
5. **यशोदा किसकी कसम खाती है ?** उत्तर: यशोदा गोधन की कसम खाती है।
6. **बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?** उत्तर: बालकृष्ण माता यशोदा से शिकायत करता है।
7. **बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?**
   उत्तर: बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है।
8. **बालकृष्ण का रंग कैसा था ?** उत्तर: बालकृष्ण का रंग काला था।
9. **कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?** or **कृष्ण बलराम के प्रति क्यों नाराज है ?**
   बलराम कृष्ण को यह कहकर चिढाता है कि- वह नंद और यशोदा का बेटा नहीं है, बल्कि मोल लिया है। माता-पिता का रंग गोरा है, लेकिन उसका रंग काला है। इस अपमान के कारण कृष्ण बलराम से नाराज है।
10. **कृष्ण अपनी माता के प्रति क्यों नाराज है ?**
    कृष्ण अपनी माता के प्रति नाराज है क्योंकि माँ, तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है। और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती।
11. **बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है ?** or **बाल कृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है ?**।
    बलराम बहुत चिढाता है। वह मुझसे से कहता है कि –यशोदा ने जन्म नहीं दिया है। बल्कि मोल लिया है। माता-पिता का रंग गोरा है, लेकिन उसका रंग काला है ।
12. **यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?**

यशोदा कहती है - बलराम तो जन्म से ही धूर्त, चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो ।इस प्रकार (शांत करती है) (मनाती है) (सांत्वान देती है) (नाराजगी दूर करती है) ।

द्वंद्व समास	बहुरविही समास
योजक चिन्ह का (-) प्रयोग	देवी देवताओं के नाम
दिन – रात पाप – पुण्य दाल –रोटी श्राद्धा – भक्ति देश – विदेश	दशानन (शिव) लंबोदरा (गणेश) चक्रपाणि (कृष्ण) त्रिनेत्र (शिवा) घनश्याम (कृष्ण) श्वेतांबरी (सरस्वती)

1) चौमास' किस समास का उदाहरण है ।

A. कर्मधारय C. द्विगु

B. द्वंद्व समास, D.बहुव्रीहि

2) निम्न में 'द्वंद्व समास' का उदाहरण है

A. निलकंठ, C. देशप्रेम

B. पंचवटी, D. दिन-रात

3) 'दाल रोटी' शब्द में समास है । jun 2017

A. कर्मधारय समास, C. द्विगु समास,

B. द्वंद्व समास, D. बहुव्रीहि समास

4) निम्नलिखित में से 'द्विगु समास का उदाहरण है।

A. राजधानी, C. दोपहर,

B. श्राद्धा-भक्ति, D. भरपेट

5) "जलप्रताप" इस समास का उदाहरण है।

A. द्वंद्व, C. द्विगु,

B. बहुव्रीहि, D. तत्पुरुष

{ पद्य भाग पूर्ण करना }

कोशिश करनेवालों भी की हार नहीं होती

कवि का नाम : सोहनलाल द्विवेदी

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्श का मैदान छोडकर मत भागो तुम ।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशीश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

कारक और विभक्ति चिन्ह

- करता – ने
- कर्म - को
- कारण – से
- अपदान – से
- संप्रदान – के, के द्वार, के वास्ते
- संबंद – का के की
- अधिकरण – मे, पर
- संबोधना – हे! ओ! वाह! हाय!

पूरक वाचन

1.शनिः सबसे सुंदर ग्रह

1. शनि ग्रह सौरमंडल का अत्यंत खूबसूरत ग्रह है। कैसे ?

शनि सौरमंडल का सर्वाधिक सुंदर ग्रह है। शनि ग्रह के चारों ओर वलय (गोले) दिखाई देते हैं । प्रकृति ने इस ग्रह को हार के रूप में वलय दिया है। इन वलयों के कारण ही शनि सुंदर व मनोहर ग्रह माना गया है।

2. शनि किसका पुत्र है ? शनैःचर का अर्थ क्या होता है ?

शनि सुर्य का पुत्र है। शनैःचर का अर्थ होता है-अत्यंत धीमी गति से चलनेवाला होता है।

3. शनैःचर का अर्थ क्या होता है ? शनि ग्रह का नाम ऐसा क्यों पडा?

शनैः चर का अर्थ होता है - अत्यंत धीमी गति से चलनेवाला होता है। इसलिए कि आकाश के गोले पर यह ग्रह बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है । यह करीब तीस वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है।

4. शनि ग्रह का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

2. सत्य की महिमा

1. सत्य क्या होता है ? और उसका रूप कैसा होता है ?

सत्य ! बहुत ही भोला-भला, बहुत ही सीधा-साधा होता है । सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान का प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है। जो कुछ भी आँखों से देखा, उसे बिना नमक-मिर्च लगाए बोलना ही सत्य है ।

2. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

शास्त्र में समझाया गया है सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो ।'

3. महात्मा गांधी जी का सत्य शक्ति के बारे में क्या कथन है ?

गांधी जी की सत्य के बारे में कथन है - "सत्य" एक विशाल वृक्ष है।

शनि ग्रह का वायुमंडल हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन और एमोनिया गैसों से बना है ।

5. शनि ग्रह एक अत्यंत ठंडा ग्रह है। कैसे ?

शनि ग्रह सूर्य से अधिक दूर है, इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के नीचे 150* सेंटीग्रेड के आसपास रहता है । इसलिए शनि ग्रह को अत्यंत ठंडा ग्रह कहा जाता है ।

6. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौनसा है ? उनमें शनि का स्थान क्या है ?

सौरमंडल का सबसे बडा ग्रह बृहस्पति (गुरू ग्रह) है। उनमें शनि का स्थान दूसरा है।

8. टाइटन के बारे में लिखिए |

टाइटन, शनि का सबसे बड़ा उपग्रह (चंद्र) है। यह सौर मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। टाइटन हमारे चंद्र से भी काफी बड़ा है। इसका व्यास 5150 किलोमिटर है। टाइतन की स्तह पर अंतरिक्ष यान को उतारा जा सकता है।

9. शनि ग्रह पृथ्वी से कितना गुना बड़ा है ? शनि के गोले का व्यास कितना है ?

शनि ग्रह पृथ्वी से करीब 750 गुना बड़ा है। शनि के गोले का व्यास 116 हजार किलोमिटर है ।

10. शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं है। क्यों

शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं है क्योंकि चंद्रमा, मंगल या शुक्र की तरह शनि के केंद्र भाग में ठोस गुठली होनी चाहिए।

उसका जितना आदार किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता।

4. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?

अपमानित होना पड़ता है। व्यक्ति के विकास के मार्ग में बाधक होता है व्यक्तित्व कुंठित होता है। लोगों का उस पर विश्वास उठ जाता है। उन्नति द्वार बंद हो जाते हैं ।

5. राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा के बारे में बताइए।

राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। उन्हे सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है ।

6. झूठ का सहरा लेने से क्या-क्या सहना पडता है ?

एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं। और, कहीं पोल खुली तो मुँह काला करना पड़ता है, अवमानित होना पड़ता है।

7. हमें सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

सत्य की महिमा अपार है। सत्य महान और परम शक्तिशाली है । सत्य की नाव से ही हम भवसागर का संतरण कर सकते हैं। सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है। अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।

8. "संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहार लिया है" - सोदाहरण समझाइए ।

राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। राजा दशारत ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गांधी जी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

पत्र लेखन

➢ व्यवहारिक पत्र

अन्य कारण - १. मेरी तबियत खराब होने के कारण, २. मेरे दोस्त की जन्म दिवस में भाग लेने कारण, ३. मुझे अपने त्योंहार में भाग लेने कारण

प्रेषक,
भुवन भूति
की. रा.चे.व. शाला शाहपुर
जिला: यादगिरी -585223

दिनांक :- 08-03-2022

सेवा में,
प्रधान अध्यापक
की रा चे व शाला शाहपुर
जिला: यादगिरी -585223

आदरणीय महोदय

विषय : तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना हेतु ।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपसे निवेदन है कि दिनांक: 07-06-2021 से दिनांक: 09-06-2021 तक **मुझे अपने बहन की शादी में भाग लेने कारण** मैं विद्यालय नहीं आ सकता/ती । अतः आपसे प्रार्थना करता / ती हूँ कि इन तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवादसहित,

आपका / की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा

भुवन भूति

घरेलु पत्र :- पिताजी को पत्र

शैक्षित पर्यटन के लिए पिता से 200 रू माँगते हुए उन्हे एक पत्र लिखिए

दिनांक: 01-07-2021

पूज्य पिताजी सादर प्रणाम

मैं यहाँ आपके आशीर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन रात पढ़ाई में व्यस्त रहता हूँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय गवाँ नहीं रहा हूं।

हमारे स्कूल की ओर से अगले महीने 10 से 13 तारीख तक शैक्षिक यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। उनके साथ मैं भी जाना चाहता हूँ। इसलिए मुझे रु. 2000 भेजने की कृपा करें।

माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन प्रिया को ढेर सारा प्यार ।

आपका आज्ञाकारी बेटा,

हर्ष

सेवा में,

श्री प्रभाकर बी. एम.,

घर नं. 521, भरत निवास,

कर्नाटक स्कूल के समीप,

राजेश्वरी नगर, बीदर जिला

निबंध

पर्यटन का महत्व

विषय प्रवेश : कन्नड में "देश सुत्ती नोडू, कोश ओदी नोड़ू" एक कहावत है। इसका अर्थ है देशों की पर्यटन आ करो न तो किताबों को पढ़ो। देश की पर्यटन करने से हम ज्ञानी, अनुभवी बन सकते हैं। इसलिए पर्यटन का बहुत ही महत्व है।

- **अर्थ:** मानव नई नई जगह, लोग एवं जानकारी के लिए विभिन्न स्थानों में घूमता है। इसे पर्यटन कहा सकते है।
  - पर्यटन एक उद्योग: यातायात में तांत्रिक आता आने के कारण मानव एक जगह से दूसरी जगह पर पहुंचना आसान बन गया है। इसलिए सरकार ने आजकल पर्यटन को एक उद्योग के रूप में देख रहे हैं।
  - विकास का सूत्रधार: मूलतः मानव जंगल स्वरूपी है। अगर वह एक ही जगह पर रहता है तो मन ऊब जाता है। इसलिए वह अन्य जगहों पर जाना पसंद करता है। इससे देश का विकास भी होता है।
- **पर्यटन से लाभ:**
  - मानव व्यवहार कुशल स्वावलंबी धैर्यवान बनता है।
  - व्यक्तित्व का विकास होता है।
  - मन में नवीनता और आनंद आता है।
  - मनोरंजन भी मिलता है।
- **पर्यटन एक शौक:** लगातार काम करने वाले ने छुट्टियों के दिनों में अपने प्रिय जनों के साथ पर्यटन करना एक शौक बनाए हैं। इसलिए हर एक सरकार कई पर्यटन योजनाओं को जारी की है।
- **उपसंहार:** हम जैसे छात्रों के लिए पर्यटन बहुत ही महत्वपूर्ण है। पर्यटन से व्यक्ति के मनोरंजन, ज्ञानवृद्धि, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्वभाव और मंत्री की भावना बढ़ जाती है

जनसंख्या की समस्या

- **विषय प्रवेश :** भारत बहुत बड़ा और विशाल देश है। भारत आजादी से पूर्व बहुत सारे समस्याओं को सामना कर रहा था और यहां आजादी के बाद भी कई समस्याओं का सामना कर रहा है। लेकिन इन सब समस्याओं के बीच भारत में बढ़ती आबादी की समस्या बहुत गंभीर है। चाइना के बाद भारत दूसरी सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। जनसंख्या में वृद्धि किसी भी देश के विकास में बाधा बनती हैं। बढ़ती हुई जनसंख्या देश की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक और कई प्रकार के विकास में रुकावट पैदा करते हैं।
- **जनसंख्या वृद्धि के कारण:**
- **अशिक्षा और अंधविश्वास:** भारत कृषि प्रधान देश है। यहां बहुत सारे लोग कृषि से अपना जीवन बिताते हैं। यह सभी लोग बहुत से छोटे-छोटे गांव में निवास रहते हैं। अशिक्षा के कारण यह लोग छोटे परिवारों की पायरी नहीं जानते और परिवार नियोजन योजना का महत्व नहीं समझते हैं।
- **विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं:** विज्ञान की उन्नति के कारण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं बेहतर लोगों तक पहुंच रही है। इसलिए जन्म दर दिन दिन बढ़ती जा रही हैं। और मृत्यु दर कम हो रही है।
- **परिवार की रक्षा का दृष्टिकोण:** लोगों में यहां भी एक दृष्टिकोण है कि अधिक बच्चे होने से काम करने के लिए तथा परिवार की अधिक हाथ उपलब्ध होते है।
- **परिवार नियोजन योजना की असफलता:** जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा किए जानेवाले उपायों के असफल होने का कारण ही यहां है कि परिवार नियोजन अपनाने वाला वह वर्ग है जिसके कम बच्चे होते हैं। जैसी एक परिवार के लिए दो बच्चे काफी हैं। जिसके अधिक बच्चे होते हैं वह परिवार नियोजन को अपनाते नहीं है। जैसे बाल्या विवाह करना।
- **जन संख्या वृद्धि से परिणाम:**

➢ जनसंख्या वृद्धि से देश की प्रगति कुंठित होती हैं।

➢ जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी समस्या बहुत बढ़ रही है। इससे युव पीढ़ी अपराध का रास्ता पकड़ लेते हैं। और ना केवल अपने परिवार के लिए बल्कि सरकार के लिए भी समस्या पैदा करते हैं।

➢ जनसंख्या वृद्धि से पर्यावरण प्रदूषण दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। इसके फलस्वरूप बहुत से बीमारियां फैलती हैं। और समाज को स्वस्थ रखने की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

➢ वस्तुओं की मूल्य वृद्धि का एक प्रमुख कारण भी बढ़ती हुई जनसंख्या है। उत्पादन की तुलना में जब किसी वस्तु की मांग अधिक हो तो उस वस्तु के मूल्य में वृद्धि हो जाती है। जनसंख्या वृद्धि के कारण दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ रही हैं।

- **समस्याओं का उपचार**: हर एक परिवार के सदस्य व्यक्तिगत आ रूप से परिवार को छोटे से छोटा रखने का प्रयास करें। क्योंकि हमें यहां समझ लेना चाहिए कि अधिक बच्चों का पालन पोषण बहुत कठिन होता है। इसके लिए हमारी सरकार, सम्माजिका संस्ताओ संचार माध्यम के द्वारा छोटे परिवार से होने वाले फायदों का प्रचार प्रसार करें।

➢ जनसंख्या को नियंत्रित करने का एक और तरीका है - अशिक्षा को समाप्त करना। इसके लिए सरकार मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून की जारी किए जाए।

➢ बाल विवाह को हटाने के लिए सरकार द्वारा कानून जारी किए जाए।

➢ लोगों को अपने अंधविश्वासों को छोड़ देना चाहिए।

➢ सरकार ऐसा कानून जारी करना चाहिए कि चाहे वह गरीब दो या अमीर जिन लोगों परिवार नियोजन पालन करते हैं। सिर्फ उन्हें ही सरकार की सुविधाएं मिल जाए।

- **उपसंहार:** बढ़ती हुई आबादी भारत के लिए एक बहुत ही गंभीर समस्या है। इस समस्या से छुटकारा पानी का एक ही है। देश का प्रत्येक नागरिक इस समस्या का हल करने में सहायक हो ताकि हम इस जनसंख्या वृद्धि की समस्या से बच जाएंगे।

इंटरनेट

- विषय प्रवेश :- आज का युग इंटरनेट युग है । बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इन्टरनेट का असर पढ़ा है ।
- इंटरनेट का अर्थ :- इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतरजाल का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।
- इंटरनेट का महत्व :- इंटरनेट जीवन के हर क्षत्र में अपना कमाल दिखाया है। चिकत्सा , कृषि, अंतरिक्षा ज्ञान , विज्ञान , शिक्षा और यहां तक कि देश के रक्षा दिलो की कार्यावाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।
- इंटरनेट लाभ:
  - इंटरनेट द्वारा घर बैटे बैटे खरीदारी कर सकते हैं।
  - कोई भी विचार हो , चित्र हो , या विषय हो कम समय में विश्व के किसी भी कोने में भेजना संभव हो गया है।
  - इंटरनेट द्वारा कोई भी बिल भर सकते हैं ।
  - इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुवनियां की किसी भी जगह में चाहे जितनी भी रक़म भेजी जा सकती है । संचार और सूचना के क्षेत्र में प्रगति हुई है ॰
- इंटरनेट के दुष्परिणाम / हानियां :-
  - इंटरनेट की वजह से पैरेसी , बैंकिंग फ्रॉड , हांकिंग आधि बढ़ रही है ।

- मुक्त वेब साइट , चाटिंग आधि से युवा पीढ़ी बिगड़ रही है ।
- बच्चों अनावश्यक एवं अनुपयुक्त जानकारी हावसि कर रहे हैं ।
- समय को नष्ट कर रहे हैं

उपसंहार :- उपरयुक्त विषय को देखते हुये हम कह सकते हैं कि इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है । हमें इंटरनेट का उपयोग जरूरतों को या अच्छे ज्ञान को प्राप्त करने के लिए करना चाहिए ना कि अनावश्यक या अनुपयोगी जानकारी के लिए ।

स्वच्छ भारत अभियान

- **प्रस्तावना:** हम स्वच्छता के बारे में लोगों से कहते व सुनते हैं। साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। यह भारत सरकार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है । इसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नई दिल्ली मे 2 अक्तूबर (गांधी जयंती) 2014 मे आरंभ किया है। महात्मा गांधीजी ने भारत को एक स्वच्छ भारत बनाने का स्वपना देखे थे। उस सपने का साकार रूप देने केलिए अब प्रयास हो रही है।
- **स्वच्छता की आवश्यकता :** अपने उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिए। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिये भारत के लोगों में इसका एहसास होना बेहद आवश्यक है।
  - भारत की सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का स्वच्छ रखना ।
  - खुले में शौच समाप्त करना ।
  - तरल और कचरे का पुनः उपयोग करना ।
  - स्वच्छाता के प्रति नागरीकों में जागृत करना ।
  - स्कूल कालेजों के छात्रों- में स्वच्छता के बारे में रुचि उत्पन्न करना ।
  - भारत को स्वच्छ और हरियाली युक्त बनाना।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- **देश को स्वच्छ रखने के उपाय:** हमारे भारत देश को स्वच्छ और साफ सुथरा रखने के लिए हमें आज ही अपने से शुरुआत करनी होगी क्योंकि जब तक लोग खुद जागरुक नहीं होंगे तब तक हमारे देश में साफ सफाई का होना नामुमकिन है।
  - हमें देश के हर घर में शौचालय बनवाने होंगे।
  - हर शहर, हर गांव की सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक शौचालय बनवाने होंगे।
  - लोगों में साफ सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलानी होगी।

- हमें जगह-जगह कचरा पात्रों का निर्माण करना होगा।
- शिक्षा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा।
- लोगों की मानसिकता बदलने के लिए साफ सफाई के संदेश गांव-गांव तक पहुंचाना होगा।
- हमें बढ़ती हुई जनसंख्या को कम करना होगा।

- **स्वच्छता के लाभ :**
  - गंदगी दूर हो हजायेगी
  - लोग की स्वास्थ्य बढ़ जायेगी ।
  - देश की प्रगती होगी ।
  - दैहिक और मानसिक तौर पर उलासित वातावरण निर्माण होगा ।
  - विदेश के लोग आजायेंगे तो भारत प्रवासी केंद्र बन जायेगा ।
- **उपसंहार**: यहा एक अच्छा अभियान हो इस से देश स्वच्छ और स्वस्थ रहेगा। महात्मा गांधी द्वारा कहे गए यह कथन जोकि स्वच्छता पर ही आधारित है। उनके अनुसार स्वच्छता की जागरूकता की मशाल सभी में पैदा होने चाहिए इसके तहत स्कूलों में भी स्वच्छ भारत अभियान के कार्य होने लगे हैं स्वच्छता से ना केवल हमारा तन साफ रहता है । हमारा मन भी साफ रहता है। स्वच्छ भारत अभियान की मशाल आज हमारे पूरे भारत के लिए आवश्यक है जिसके तहत कई कार्य किये जा रहे है।

पर्यावरण प्रदूषण

- **पर्यावरण का अर्थ** : हमारे चारों ओर की परिस्थितियां जो सभी जीव जगत के विकास के लिए आवश्यक व सहायक होती हैं, वह पर्यावरण कहलाते हैं। इसमें जल, वायु,मिट्टी, पेड़-पौधे, पर्वत आदि सभी आते हैं।

  अब हम समझेंगे कि पर्यावरण प्रदूषण क्या है। पर्यावरण जिसमें हमारे चारों ओर का वातावरण आता है, उनका ऐसा प्रदूषित होना जिससे संसार के सभी जीवो के विकास में बाधा हो वह पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है।
- **प्रदूषण के प्रकार:-**
  - **जल प्रदूषण:-** हमारी अज्ञानता के कारण हमारी नदियां, तालबों तथा सागर आदि प्रदूषित हो रहे हैं जिसका कारण है हमारे कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी, बड़े नगरों से निकलने वाला ड्रेनेज का पानी, तथा साथ ही पॉलिथीन के कवर वह बोतल जो एक बार प्रयोग करने पर फेंक दिए जाते हैं, आदि। यह सभी इन नदियों तथा तालाबों में मिलकर जल को विषैला बना रहे हैं।

- **वायु प्रदूषण :** आवश्यकता से अधिक वाहनों का प्रयोग, कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैसें आदि वायु को प्रदूषित कर रहे हैं।
- **भू प्रदूषण अथवा मिट्टी का प्रदूषण:-** कई प्रकार के परमाणु अस्त्रों के प्रायोगिक परीक्षण कर के साथ ही फसलों के लिए कई प्रकार के रासायनिक औषधियों का प्रयोग हमारी भूमि को अर्थात मिट्टी को प्रदूषित कर रहे हैं।
- **ध्वनि प्रदूषण:-** वाहनों का अतीव प्रयोग, ध्वनि वर्धकों का प्रयोग पटाखे आदि फोड़ना, यह सभी ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं।

➢ **प्रदूषण की हानियाँ :-** जलवायु तथा मिट्टी के प्रदूषण से विश्व भर में कई प्रकार से हानियाँ हो रही हैं। जैसे वैश्विक ताप में वृद्धि, ओजोन परत का क्षय अथवा हानि, कई प्रकार की बीमारियों का जन्म लेना, अम्लीय वर्षा होना आदि, जो मानव तथा अन्य जीवो के जीवित रहने के लिए कष्ट साध्य हो रहा है साथ ही ध्वनि प्रदूषण से हृद रोगों में वृद्धि, बहरापन तथा दिमाग की बेचैनी जैसे रोग पैदा हो रहे हैं।

➢ **प्रदूषण को रोकने के उपाय:-** प्रदूषण को रोकने के लिए हमें सबसे पहले समाज में फैली अज्ञानता को दूर करना है, शिक्षा को प्रोत्साहन देना चाहिए,साथ ही साथ प्रदूषण से होने वाली हानियों को टीवी तथा समाचार पत्रों द्वारा दिखाकर लोगों में जागृति पैदा करना चाहिए, और साथ ही ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए।

➢ **उपसंहार :-** पर्यावरण की रक्षा तथा संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है हम सबको मिलकर इस विश्व को पर्यावरण प्रदूषण से बचाना चाहिए।